गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विष्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विश्वविद्यालय प्रांगण में स्थित डा. वाईएल नेने वृक्षायुर्वेद अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र पर कार्यक्रम श्रृंखला का शुभारंभ

विश्वविद्यालय के डा. वाईएल नेने वृक्षायुर्वेद अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, (आई.के.एस.केन्द्र), में एशियन एग्री–हिस्ट्री फाउंडेशन (एएएचएफ) द्वारा डा. वाईएल नेने के 88वें जन्मदिन समारोह के अवसर पर वृक्षायुर्वेद विषयक पर प्रशिक्षण श्रृंखला का प्रांरम्भ किया गया। प्रशिक्षण श्रृंखला का केन्द्र बिन्दु वृक्षायुर्वेद का बागवानी में महत्व विषय पर चर्चा व 'प्रत्यक्ष प्रशिक्षण' था। प्रशिक्षण मुख्य रूप से विश्वविद्यालय परिसर की महिला क्लब की महिलाओं में वृक्षायुर्वेद आधारित खेती के प्रति जागरूकता पैदा करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंतनगर की प्रथम महिला व पंतनगर महिला क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती वीना चौहान द्वारा की गई। कार्यक्रम में एशियन एग्री–हिस्ट्री फाउंडेशन के चेयरमेन डा. एस.पी.एस. बेनीवाल, विश्वविद्यालय के निदेशक शोध डा. ए.एस. नैन, व एशियन एग्री–हिस्ट्री फाउंडेशन की कार्यकारी सचिव व सस्य विभाग की प्राध्यापक डा. सुनीता टी. पाण्डे द्वारा, डा. नेने द्वारा ''वृक्षायुर्वेद को सामान्य जनमानस व विज्ञानिकों के मध्य पुर्नःस्थापना हेतु किये गये 22 वर्षो के अथक प्रयासों'' पर सम्बोधन किया गया। भारतवर्ष की पांरम्परिक वृक्षायुर्वेद दर्शन पर आधारित प्राकृतिक खेती में प्रयोग होने वाला किण्वित उत्पाद ''हर्बल कुणपजल'' के निर्माण की विधि के प्रदर्शन के साथ–साथ सभी प्रतिभागियों को एक–एक लीटर हर्बल कुणपजल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पंतनगर महिला क्लब की सदस्याओं के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के डा. वाईएल नेने वृक्षायुर्वेद अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केन्द्र, नामक परियोजना के वैज्ञानिकों, फसल अनुसंधान केन्द्र के ज्वाइंट डायरेक्टर डा. एस.के. वर्मा सहित संकाय सदस्यों व शोधार्थी छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। अंत में डा. अमित केशरवानी, सहायक प्राध्यापक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।